दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7
3 गोरखपुर में सीएम योगी का सख्त निर्देश
5 लू और तपिश का अलर्ट
8 फीफा में शकीरा की वापसी

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 47 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 18 मई, 2026

भारत-UAE के बीच LPG सप्लाई को लेकर समझौता

CM विजय ने बच्ची की अपील पर अपनी VIP कुर्सी के पीछे से हटाया तौलिया

NEET की नई तारीख का ऐलान, 21 जून को होगी

प्रतीक यादव पंचतत्व में विलीन, ससुर ने दी मुखाग्नि

यूपी में महिला ने 5 दिन में चार बच्चों को दिया जन्म

भूल गया कि नीदरलैंड में हूं

लगा भारत में ही कहीं कोई फेस्टिवल, हेग में भारतीय समुदाय के बीच बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 देशों के दौरे पर हैं, यूएई के बाद वह नीदरलैंड पहुंच गए हैं। यहां हेग में पीएम मोदी ने भारतीय समुदायों को संबोधित करते कहा कि इतना प्यार और उत्साह... सच कहूं तो कुछ देर के लिए मैं भूल ही गया था कि मैं नीदरलैंड में हूं। ऐसे लग रहा है कि जैसे भारत में ही कहीं कोई फेस्टिवल चल रहा है। पीएम मोदी ने कहा नीदरलैंड आकर भारत जैसा महसूस हो रहा है। नीदरलैंड की प्रगति में भारतीयों का भी योगदान है। आप नीदरलैंड के समाज और यहां की इकोनॉमी में जो योगदार कर रहे हैं उस पर हर भारतवासी को गर्व है। मैं आज इस अवसर पर नीदरलैंड की जनता और सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। मैं यहां की जनता को 140 करोड़ भारतवासियों की तरफ से अपनी शुभकामनाएं देता हूं।

समुद्र पार भी भारतीयों की पहचान जीवंत

मैं यहां रहने वाले भारतीय समुदाय से अच्छी तरह परिचित हूं। यहां बसे कई परिवारों की कहानियां केवल प्रवास की कहानियां नहीं हैं। ये अनगिनत संघर्षों के बीच हुई प्रगति की कहानियां हैं। उन दिनों, कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि समुद्र पार करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी जीवंत बनी रहेगी। मानवता का इतिहास साक्षी है कि समय के साथ अनेक संस्कृतियां मिट गईं। लेकिन भारत की पारंपरिक संस्कृति आज भी अपने लोगों के दिलों में धड़कता है। पीढ़ियां बदल गई, देश बदल गए, परिवेश बदल गए... लेकिन परिवार के संस्कार नहीं बदले हैं, अपनापन नहीं बदला। क्योंकि आपने अपने पुरखों की भाषा को छोड़ा नहीं। आपने डच भाषा अपना ली, लेकिन अपने पूर्वजों की भाषाओं को भी नहीं छोड़ा। हमारे कम्युनिटी रेडियो स्टेशन यहाँ बहुत लोकप्रिय हैं। इनके माध्यम से, भारतीय संगीत और संस्कृति डच

परिवारों तक भी पहुंच रही है।

2016 में के दिन आए थे लोकसभा के नतीजे

पीएम मोदी ने कहा कि आज 16 मई है, और ये दिन एक और वजह से बहुत विशेष है। आज से 12 वर्ष पहले 16 मई 2014 को कुछ खास हुआ था। 2014 में आज के ही दिन लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे। दशकों बाद भारत में स्थिर और पूर्ण बहुमत वाली सरकार का बनना पक्का हुआ था। एक वो दिन था और एक आज का दिन है। कोटि–कोटि भारतवासियों का विश्वास मुझे न रुकने देता है और न थकने देता है। 13 वर्ष मुख्यमंत्री के रूप में... 12 वर्ष प्रधानमंत्री का सेवाकाल... लोकतांत्रिक दुनिया में 25 वर्षों तक... करोड़ों–करोड़ वोटर्स का लगातार समर्थन... ये मेरे लिए बहुत ही बड़े सौभाग्य की बात है। मेरे लिए ये सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है... ये आपका आशीर्वाद मेरी बहुत बड़ी पूंजी है।

आपका कल्याण ही मेरा कल्याण

पीएम मोदी ने आगे कहा क मैं बहुत छोटी आयु में ही देशभक्ति के रंग में रंग गया। आप ही मेरे परिवार बन गए। अहम् से वयम् का रास्ता चुन लिया। फिर आपका सुख ही मेरा सुख बन गया और आपका कल्याण ही मेरा कर्तव्य बन गया। पीएम मोदी ने हेग में भारतीय समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारा भारत बहुत बड़ा सपना देख रहा है। आज देश कह रहा है– हमें सिर्फ ट्रांसफॉर्मेशन नहीं चाहिए, हमें बेस्ट चाहिए, हमें फास्टेस्ट चाहिए ।इसलिए जब भारत में असीमित आकांक्षाएं हैं, तो प्रयास भी असीमित हो रहे हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास

सीएम योगी बोले– जाति, धर्म व भाषा के नाम पर बांटने वाले आपके हितैषी नहीं

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री ताल नदोर में बन रहे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और दुनिया पश्चिम एशिया संकट से जूझ रहा है। पूरी दुनिया में उथल पुथल है। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे हैं। इस परिस्थिति में भी केंद्रीय मंत्री ने बेहतरीन काम किया है। सीएम योगी ने कहा कि सरकार के पास जमीन होगी तो उसका इस्तेमाल लोक कल्याण में होगा। यदि इसपर कोई कब्जा करेगा तो वह अपने लिए इस्तेमाल करेगा। सरकारी भूमि का इस्तेमाल लोक कल्याण के लिए होना चाहिए।

प्रदेश को गुंडा मुक्त और माफिया मुक्त किया तो तेजी से विकास होने लगा। जो लोग जाति धर्म और भाषा के नाम पर बांटते हैं वो आपके हितैषी नहीं हो सकते। इनके पास जब भी सत्ता आई तब इन्होंने उसका इस्तेमाल अपने परिवार, अराजकता और गुंडागर्दी के लिए किया। मुख्यमंत्री शनिवार को ताल नदोर में बन रहे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और दुनिया पश्चिम एशिया संकट से जूझ रहा है। पूरी दुनिया में उथल पुथल है। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे हैं। इस

परिस्थिति में भी केंद्रीय मंत्री ने बेहतरीन काम किया है। तेल कंपनियों पर भले बोझ आ जाए लेकिन जनता को राहत मिलनी चाहिए।

सीएम ने कहा कि 2014 के बाद पीएम मोदी ने खेलों को आगे बढ़ाया। इसी की देन है कि आज खिलाड़ी मेडल लेकर आ रहे हैं। उनके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर देना हमारी जिम्मेदारी है। हम हर गांव में खेल का मैदान बना रहे हैं। हर विकास खंड पर मिनी स्टेडियम और हर जिले में स्टेडियम बनाने का काम हो रहा है। हर कमिश्नरी में स्पोर्ट्स कॉलेज हो। मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी इसी साल पूरा हो जाएगा।

वाराणसी में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बन रहा है। 40 एकड़ में स्टेडियम बन रहा है। यहां पार्किंग होगी। यहीं बगल में बेहतरीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाएंगे। यहां होटल बनेंगे। पहले यहां बंजर था, जिसका मन करे कब्जा कर लेता था। सामने वेटनरी कॉलेज का निर्माण हो रहा है। यहां तमाम पशु चिकित्सक तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले तक गोरखपुर से वाराणसी जाने में चार से पांच घंटे लगते थे। अब मात्र दो से ढाई घंटे में पहुंच जाते हैं।

लखनऊ की दूरी अब साढ़े तीन घंटे में तय कर लेते हैं। विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता।

डबल इंजन की सरकार आम जन और विकास की परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। आज हर जनपद में फोरलेन की कनेक्टिविटी मिलेगी। एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी मिलेगी। ओलंपिक्स, एशियाड और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल पाने वाले खिलाड़ियों को सीधी भर्ती में नौकरी दी है। आज युवाओं का सपना साकार हुआ है।

आधुनिकता और विकास के लिए जाना जा रहा उत्तर प्रदेश: हरदीप सिंह पुरी

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यहां आकर एक अलग आत्मीयता का अनुभव हो रहा है। पूर्वी यूपी से विशेष जुड़ाव रहा है। काशी में भी विकास की नई गाथा का साक्षी बनने का सौभाग्य मिला। यूपी में जितनी तेजी से विकास हुआ है उतना दूसरे किसी प्रदेश में नहीं हुआ।

सम्पादकीय

प्रश्नपत्रों की मंडी में बिकते युवाओं के सपने

परीक्षा और परिणाम किसी भी शिक्षा व्यवस्था के आधार माने जाते है, यदि परीक्षा का आधार ऐसी धांधली और अनियमितताओं के बलबूते टिका हो तो उसका परीक्षा परिणाम भले ही देखने में ठीक लगता हो, मगर सामाजिक परिणाम कभी भी सकारात्मक नही हो सकता। वहीं जब नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा पर पेपर लीक, धांधली और अनियमितताओं के आरोप लगते हैं, तब केवल प्रश्नपत्र ही लीक नहीं होता, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी डगमगाता है। भारत युवाओं का देश है, यहां करोड़ों छात्र अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए दिन–रात कठिन परिश्रम करते हैं। कोई डाक्टर बनना चाहता है, कोई इंजीनियर, कोई प्रशासनिक अधिकारी तो कोई वैज्ञानिक। इन सपनों को साकार करने का सबसे बड़ा माध्यम प्रतियोगी परीक्षाएं हैं, इसमें दो राय नहीं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देश में जिस प्रकार परीक्षा प्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़े हुए हैं, उससे युवाओं का विश्वास डगमगाने लगा है, ऐसा कहने में भी अतिश्योक्ति न होगी। हाल ही में नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) परीक्षा को लेकर सामने आए विवाद और कथित पेपर लीक की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। यह केवल एक परीक्षा का मामला नहीं है, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। परीक्षाएं केवल परीक्षाएं नहीं होतीं, वे करोड़ों परिवारों की उम्मीदों का दूसरा नाम होती हैं। मेडिकल की पढ़ाई के लिए आयोजित होने वाली नीट ऐसी ही एक परीक्षा है। यह केवल प्रश्नों के उत्तर लिखने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों के संघर्ष, त्याग, अनुशासन और सपनों का परिणाम होती है, जो दिन–रात एक करके डाक्टर बनने का सपना देखते हैं। किसी किसान का बेटा खेतों की मेड़ पर बैठकर पढ़ता है, किसी मजदूर की बेटी लालटेन की रोशनी में नोट्स तैयार करती है, तो कोई मध्यमवर्गीय परिवार अपनी जमा पूंजी कोचिंग संस्थानों की फीस में झोंक देता है। माता–पिता अपने सपनों को बच्चों की आंखों में बसाकर हर कठिनाई सह लेते हैं। इसलिए परीक्षा को केवल एक सामान्य कार्य समझना बहुत बड़ी मूर्खता होगी। परीक्षा और परिणाम किसी भी शिक्षा व्यवस्था के आधार माने जाते है, यदि परीक्षा का आधार ऐसी धांधली और अनियमितताओं के बलबूते टिका हो तो उसका परीक्षा परिणाम भले ही देखने में ठीक लगता हो, मगर सामाजिक परिणाम कभी भी सकारात्मक नही हो सकता।

वहीं जब नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा पर पेपर लीक, धांधली और अनियमितताओं के आरोप लगते हैं, तब केवल प्रश्नपत्र ही लीक नहीं होता, बल्कि व्यवस्था पर विश्वास भी डगमगाता है। यह पहली बार नहीं है जब किसी राष्ट्रीय परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगा हो, परंतु हर बार की तरह इस बार भी सबसे अधिक आहत वही छात्र हुए हैं, जिनका इस पूरे खेल से कोई लेना–देना नहीं था। वर्तमान शिक्षा व परीक्षा बाजारू वस्तु बन गई है क्योंकि कोई भी रसूखदार जब चाहे जितनी चाहे बोली लगाकर खरीद लेता है और हमारा भ्रष्ट तंत्र उसके इस कार्य में पूर्णाहुति देने का काम करता है। यह विडंबना ही है कि जिस देश में शिक्षा को 'राष्ट्र निर्माण का आधार' कहा जाता है, उसी देश में परीक्षाएं धीरे–धीरे भरोसे का संकट बनती जा रही हैं। एक तरफ विद्यार्थी वर्षों तक मेहनत करते हैं, दूसरी ओर कुछ लोग पैसे, पहुंच और भ्रष्ट तंत्र के सहारे परीक्षा व्यवस्था को खिलौना बना देते हैं। परिणाम यह होता है कि मेहनत और ईमानदारी उपहास का विषय बन जाती है। आज नीट परीक्षा पर उठे सवाल केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं हैं। यह उस पूरी व्यवस्था का आईना हैं, जिसमें योग्यता और परिश्रम की जगह जुगाड़ और भ्रष्टाचार धीरे–धीरे मजबूत होते जा रहे हैं। यदि देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं में भी पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं हो पा रही, तो यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन का संकेत है। किसी भी विद्यार्थी के लिए प्रतियोगी परीक्षा केवल तीन घंटे का पेपर नहीं होती बल्कि उसके पीछे वर्षों की तपस्या का परिणाम होती है। कई छात्र सामाजिक समारोह और मनोरंजन से कोसो दूर रहते हैं, मानसिक दबाव और अकेलेपन जैसी विकट अवस्थाओं से गुजरते हैं। इतना ही नहीं अपने बच्चों के सपनों को पंख लगाने के लिए माता–पिता भी उनके साथ हर दिन परीक्षा देते हैं। कोई पिता कोचिंग की फीस भरने के लिए अतिरिक्त मजदूरी करता है तो कोई मां अपने गहने तक बेच देती है। ऐसे में यदि परीक्षा में धांधली की खबर आती है, तो केवल अंक प्रभावित नहीं होते, बल्कि लाखों परिवारों का विश्वास चकनाचूर हो जाता है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि पेपर लीक अब अपवाद नहीं, बल्कि एक 'संगठित उद्योग' का रूप लेता दिखाई दे रहा है।

विभिन्न राज्यों में समय–समय पर भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं में धांधली सामने आ रही है। कभी वॉट्सऐप पर पेपर वायरल होता है, कभी सॉल्वर गैंग पकड़े जाते हैं, तो कभी परीक्षा केंद्रों की मिलीभगत सामने आती है। प्रश्न यह है कि इतनी संवेदनशील परीक्षाओं में बार–बार सुरक्षा में सेंध कैसे लग जाती है? क्या हमारी तकनीक कमजोर है या व्यवस्था में बैठे कुछ लोग ही इस खेल का हिस्सा बन चुके हैं? राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी का गठन इस उद्देश्य से किया गया था कि देश की प्रमुख परीक्षाओं को निष्पक्ष, पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाया जा सके। लेकिन यदि बार–बार परीक्षाओं पर सवाल उठ रहे हैं, तो यह एजेंसी की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न है।

एक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी उसका विश्वास होता है। जब वही डगमगाने लगे, तो केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस और जांच समितियां लोगों का भरोसा वापस नहीं ला सकतीं। विडंबना तो यह है कि हर बार कोई पेपर लीक होने पर कुछ दिनों तक मीडिया में खूब बहस चलती है, राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप होते हैं, सनसनीखेज खुलासे भी होते है, लेकिन यह सनसनीखेज किसी दूसरी सनसनी खेज के पीछे धीरे–धीरे ठंडा पड़ जाती है। लेकिन जिन विद्यार्थियों की उम्र का एक महत्वपूर्ण वर्ष बर्बाद हो जाता है, उनकी पीड़ा कभी सुर्खियों में नहीं रहती। ऐसी घटना से उनके मनोमस्तिष्क पर कैसा प्रभाव पड़ता है इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। छात्र यह महसूस करने लगते हैं कि हमारी व्यवस्था में ईमानदारी और परिश्रम का कोई मूल्य नहीं है, यह भावना समाज के लिए अत्यंत खतरनाक है। यदि युवाओं का विश्वास लोकतांत्रिक और शैक्षणिक संस्थाओं से उठने लगे, तो यह अवश्य ही राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करने वाला कारक बन जाता है, ऐसे कहने में किंचित संशय न होगा।

चुनाव तू फिर आना

नगर निगम चुनाव की हसरतों में राजनीति ने यह बता दिया कि आइंदा इस सफर की ओट में विकास की परिभाषा बदलेगी। विजन जिस तरह स्थानीय मुद्दों से सभी के आचरण तक पहुंचा, उससे स्वाभाविक तौर पर अंतर आएगा। चार नगर निगमों के बहाने आम नागरिक यह समझ सकता है कि चुनाव में टिके रहने के लिए राजनीति को अपने दूत सही करने पड़ेंगे। अफसोस यह कि पार्षदों से मेयर और मेयर बनने की मेहरबानियों से ये शहर गफलत में हैं, लेकिन शहरी चरित्र और जवाबदेही के विषय घूम फिर कर वापस आ गए। संकल्पों से हटकर राजनीति ने तू–तू, मैं–मैं की रट में एक लाजिमी बहस से किनारा किया और बीच–बीच में लगने लगा कि भाजपा सत्ता को कोस रही और कांग्रेस दिल्ली की सत्ता को कोस रही है। अगर चुनाव पारंपरिक राजनीति में उछलते वैमनस्य पर ही होने हैं, तो हम शहरी व्यवस्था को समझ ही नहीं रहे। यह दीगर है कि पार्टियों ने कुछ शहरी बिंदुओं पर चुनाव की फेहरिस्त बनाई है, लेकिन राज्य के लिए यह द्वार पूरी तरह नहीं खुला। कांग्रेस ने अपने विजन की वकालत में चारों शहरों को अपनी उमंगों से जोडने का मंतव्य समझाया। बेहतर होता सत्ता दल इस बहाने हिमाचल के शहरीकरण को संबोधित करता यानी पूरे प्रदेश के शहरों में अगले दशक में क्या तस्वीर होगी। कौन से व्यवस्थागत व ढांचागत परिवर्तन अहम होते। स्थानीय परिवहन या लोकल ट्रांसपोर्ट पर बहुत सा कार्य संभव है। जलापूर्ति और विद्युत आपूर्ति के नक्शे पर शहरीकरण की नई परिभाषा क्या होगी। बेशक नगर निगम चुनावों में हौले से कुछ ऐसे मुद्दे या संकल्प आए हैं, जो शहर को नई दृष्टि से देख रहे हैं। मसलन पर्यटन ने ऊंची आवाज देकर चुनाव से कहा है, 'मैं यहां हूं।' पालमपुर में 'पर्यटन सर्किट' खोजती भाजपा ने एक हुंकार भरा है, तो मंडी का शिवधाम और मंदिर प्रदक्षिणा के करीब चुनाव ने संभावना देखी है।

विकास के नए युग में पूर्वोत्तर

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर वास्तव में अष्ट लक्ष्मी के रूप में उभरा है। अलगाव से एकीकरण और उपेक्षा से सशक्तीकरण तक की यह यात्रा प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक है। यह सिद्ध करती है कि दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास किस प्रकार एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि के कारण राष्ट्र की अमूल्य धरोहर रहा है। विविध जनजातीय परंपराएं, मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य, अद्वितीय लोक–संस्कृति और अपार संभावनाओं से परिपूर्ण यह क्षेत्र लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से अपेक्षाकृत दूर रहा। किंतु बीते एक दशक के दौरान पूर्वोत्तर में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। असम सहित समूचा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, संपर्क, शांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

दशकों तक पूर्वोत्तर क्षेत्र संपर्क, आधारभूत संरचना की कमी तथा देश के अन्य हिस्सों से अलगाव जैसी चुनौतियों से जूझता रहा, किंतु क्षेत्र के सामरिक महत्व और अपार संभावनाओं को पहचानते हुए मोदी सरकार ने इसके विकास के लिए सक्रिय और समग्र दृष्टिकोण अपनाया। इस परिवर्तन के केंद्र में ऍक्ट ईस्ट नीतिश रही है, जिसने पूर्वोत्तर को केवल सीमांत क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि दक्षिण–पूर्व एशिया के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में पुनर्परिभाषित किया है।

एक्ट ईस्ट नीति ने पड़ोसी देशों के साथ भौतिक और आर्थिक संपर्क को सुदृढ़ करने के साथ–साथ पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक पहचान को भी नई मजबूती प्रदान की है। राजमार्गों, रेलमार्गों, अंतर्देशीय जलमार्गों और हवाई संपर्क जैसी प्रमुख आधारभूत परियोजनाओं में तीव्र गति से प्रगति हुई है। पुलों के निर्माण और सीमा व्यापार अवसंरचना के विकास से लाजिस्टिक्स में सुधार हुआ है तथा क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा मिला है। पूर्वोत्तर राज्यों तक बेहतर रेल संपर्क और उड़ान योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय हवाई अड्डों के विस्तार जैसी पहलों ने इस क्षेत्र को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर और अधिक निकट ला दिया है।

इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा पूर्वोत्तर के लिए संसाधनों के प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। विभिन्न मंत्रालयों को अपने सकल बजटीय समर्थन का एक निश्चित प्रतिशत पूर्वोत्तर के लिए निर्धारित करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में प्रमुख योजनाएं दूरदराज के इलाकों तक पहुंची हैं। क्षेत्र में डिजिटल संपर्क को भी व्यापक बढ़ावा मिला है। इससे समावेशन को बढ़ावा मिला है तथा असमानता में कमी आई है। इस परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण आधार शांति और स्थिरता पर दिया गया विशेष बल रहा है।

सरकार ने विभिन्न हितधारकों के साथ सक्रिय संवाद स्थापित कर लंबे समय से चले आ रहे संघर्षों के समाधान और उग्रवादी समूहों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया है। ऐतिहासिक शांति समझौतों और निरंतर संवाद ने अधिक सुरक्षित वातावरण तैयार किया है, जिससे निवेश और पर्यटन को प्रोत्साहन मिला है। कृषि, बागवानी, हस्तशिल्प और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में लक्षित निवेश के माध्यम से आधुनिक तकनीकों, बेहतर बाजार पहुंच और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्टार्टअप और उद्यमिता को नीतिगत तथा वित्तीय सहयोग प्रदान कर क्षेत्र के युवाओं की नवाचार क्षमता को नई दिशा दी जा रही है। सरकार ने आधारभूत संरचना सुधार, पर्यटन स्थलों के प्रचार और यात्रा प्रक्रियाओं को सरल बनाकर इस क्षेत्र को देश और दुनिया के पर्यटकों के लिए अधिक आकर्षक और सुलभ बनाया है।

यद्यपि आधारभूत संरचना और आर्थिक विकास महत्वपूर्ण हैं, किंतु पूर्वोत्तर की वास्तविक शक्ति उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता में निहित है। गुवाहाटी में बिहू, झुमुर और बागुरुंबा नृत्य के भव्य आयोजनों द्वारा गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड स्थापित करना केवल क्षेत्र की जीवंत परंपराओं का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र की संस्कृति को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इसने पूर्वोत्तर और देश के अन्य हिस्सों के बीच भावनात्मक एकता को और अधिक मजबूत बनाया है। इसके अतिरिक्त पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के संरक्षण पर विशेष बल दिया गया है।

जोरहाट में महान आहोम सेनापति वीर लासित बोरफुकन की 125 फुट ऊंची कांस्य प्रतिमा की स्थापना क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास और देशभक्ति की भावना को समर्पित एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि है। बटद्रवा थान सांस्कृतिक परिसर के विकास तथा महत्वाकांक्षी कामाख्या कारिडोर परियोजना जैसी पहलें असम और पूर्वोत्तर में आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को नई गति दे रही हैं। साथ ही चराइदेव के मोइदम को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त होना असम की ऐतिहासिक विरासत की वैश्विक पहचान है। कौशल विकास कार्यक्रमों, उच्च शिक्षा संस्थानों और खेल अवसंरचना के विस्तार ने युवाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान किए हैं। 'लखपति दीदी', जिसे क्षेत्र में 'लखपति बाइदेउ' के नाम से जाना जाता है, समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुई है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर वास्तव में ऍष्ट लक्ष्मी के रूप में उभरा है। अलगाव से एकीकरण और उपेक्षा से सशक्तीकरण तक की यह यात्रा प्रेरणादायक और उत्साहवर्धक है। यह सिद्ध करती है कि दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास किस प्रकार एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

बंगाल को पटरी पर लाने की बारी

पांच दशकों बाद पूर्वी भारत में राजनीतिक समन्वय और नीतिगत स्थिरता से आर्थिक विकास की नई संभावनाएं बनी हैं। विशेषकर बंगाल को अपनी पिछली आर्थिक गिरावट से उबरकर निवेश, उद्यमिता और आधुनिक शासन के माध्यम से फिर से पटरी पर लाने का अवसर मिला है। पांच दशकों से अधिक समय बाद पूर्वी भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहां राजनीतिक समन्वय, नीतिगत स्थिरता और आर्थिक संभावनाएं एक साथ आकार ले रही हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार भाजपा अब पूर्वी भारत के चार प्रमुख राज्यों–बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम में सत्ता में है और केंद्र में भी उसकी सरकार है।

1974 के बाद यह पहला अवसर है जब पूर्वी भारत में इस प्रकार का राजनीतिक समन्वय देखने को मिल रहा है। पिछली बार ऐसा तब हुआ था, जब देश की राजनीतिक और आर्थिक संरचना बिल्कुल अलग थी। इस परिवर्तन का महत्व केवल चुनावी गणित तक सीमित नहीं है। यह उन रणनीतिक अवसरों का संकेत है, जो लंबे समय से संभावनाओं के बावजूद अपेक्षित विकास से वंचित रहे पूर्वी भारत के लिए निर्णायक सिद्ध हो सकते हैं। बंगाल में बदलाव सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। स्वतंत्रता के समय बंगाल भारत के सबसे समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से प्रभावशाली क्षेत्रों में गिना जाता था। कोलकाता केवल एक शहर नहीं था, बल्कि व्यापार, विनिर्माण, वित्त, साहित्य, कला और बौद्धिक विमर्श का राष्ट्रीय केंद्र था। बंगाल ने देश को नोबेल पुरस्कार विजेता, उद्योगपति, चिंतक, कलाकार और समाज सुधारक दिए, जिन्होंने आधुनिक भारत की दिशा तय की, लेकिन समय के साथ राज्य अपनी आर्थिक ऊर्जा खोता गया।

सरकारें उद्योग, निवेश और उद्यम के लिए अनुकूल वातावरण तैयार नहीं कर सकीं। उद्योग विरोधी सोच, नीतिगत अनिश्चितता, श्रमिक उग्रवाद और वैचारिक कठोरता ने धीरे–धीरे निवेशकों का विश्वास कम किया। परिणामस्वरूप औद्योगिक गिरावट, पूंजी पलायन और प्रतिभाओं का बड़े पैमाने पर बाहर जाना जारी रहा। 1960–61 में भारत की जीडीपी में बंगाल की हिस्सेदारी लगभग 10.5 प्रतिशत थी, जो आज घटकर लगभग 5.6 प्रतिशत रह गई है। कभी राष्ट्रीय औसत से काफी ऊपर रहने वाली प्रति व्यक्ति आय अब उससे नीचे पहुंच चुकी है। 2011 के बाद 6,600 से अधिक कंपनियां या तो बंद हुईं या राज्य से बाहर चली गईं। यह स्थिति इसलिए दुखद है, क्योंकि बंगाल के पास प्राकृतिक और रणनीतिक शक्तियां हमेशा मौजूद रहीं। उपजाऊ कृषि भूमि, लंबी समुद्री तटरेखा, प्रमुख बंदरगाह, दक्षिण–पूर्व एशिया के निकटता और पूर्वोत्तर भारत का प्रवेश द्वार होने जैसी विशेषताएं किसी भी क्षेत्र को आर्थिक शक्ति बना सकती हैं।

बंगाल बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और पूर्वोत्तर भारत के लिए भारत का प्रमुख संपर्क बिंदु है, लेकिन केवल भौगोलिक स्थिति विकास की गारंटी नहीं देती। इसके लिए संस्थागत क्षमता और नीति समन्वय भी उतने ही आवश्यक होते हैं। लंबे समय तक केंद्र और पूर्वी राज्यों के बीच राजनीतिक असमानता के कारण इस क्षेत्र के लिए समग्र विकास रणनीति विकसित नहीं हो सकी। लाजिस्टिक्स कॉरिडोर, पोर्ट आधुनिकीकरण, औद्योगिक क्षेत्र और सीमा व्यापार जैसी परियोजनाएं समन्वय के अभाव में अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकीं।

गोरखपुर में सीएम योगी सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

बोले-मत करिए चिंता, उपचार कराने में भरपूर मदद देगी सरकार

संवाददाता, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद की गुहार लेकर आए लोगों को उन्होंने आश्वस्त किया कि उपचार कराने में सरकार भरपूर मदद करेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से धनराशि दी जाएगी। जिन लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बने होंगे उनके कार्ड बनवाए जाएंगे। गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक जाकर उनकी समस्याओं को सुना। उनके प्रार्थना पत्र लिए और पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

जनता दर्शन में इलाज में मदद की गुहार लेकर आए लोगों को मुख्यमंत्री ने दिया भरोसा
सीएम योगी ने गोरखपुर में जनता दर्शन किया। गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद का आश्वासन। अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद का अनुरोध करने आए थे। एक महिला ने अपने बच्चे के इलाज में आर्थिक दिक्कत और आयुष्मान कार्ड न होने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंता मत करिए। बच्चे का इलाज जरूर होगा। आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे और विवेकाधीन कोष से इलाज में आर्थिक सहायता देंगे। एक अन्य महिला को भी उन्होंने इन्हीं शब्द भावों का आत्मीय संबल दिया। इलाज संबंधी प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि इस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर शासन को उपलब्ध करा दें। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

सीएम योगी ने तोड़ा प्रोटोकाल

अब नहीं दिखेगा लंबा-चौड़ा काफिला सिर्फ 5 गाड़ियों के साथ पहुंचे कार्यक्रम में

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी शुक्रवार को राप्तीनगर में भाजपा महानगर की ओर से आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में शामिल हुए। इसके बाद विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके काफिले में केवल पांच ही गाड़ियां दिखीं। सांसद रवि किशन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक जागरूकता वीडियो भी जारी किया है। पीएम मोदी की ईंधन बचाने की अपील के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपना काफिला छोटा कर लिया है।

गोरखपुर में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रमों में वह केवल पांच गाड़ियों का काफिला लेकर पहुंचे। वहीं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी काफिले में गाड़ियां कम कर दी हैं। सीएम के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दो सांसद साझा की गई कार से पहुंचे।सीएम योगी राप्तीनगर में भाजपा महानगर की ओर से आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में शामिल हुए। इसके बाद विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया।

इस दौरान उनके काफिले में केवल पांच ही गाड़ियां दिखीं। सांसद रवि किशन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक जागरूकता वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "नो व्हीकल डे" और 'पूल कार' अभियान का पूरा समर्थन किया और आम जनता से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की अपील की। रवि किशन ने वीडियो में बताया कि वह कुशीनगर के सांसद विजय दुबे के साथ एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ी से यात्रा कर रहे हैं।

गोरखपुर में पेट्रोल-डीजल के लिए पंपों पर लगी लंबी कतार

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर गोरखनाथ क्षेत्र के लक्ष्मीपुर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम पंप पर वाहनों की लाइन करीब आधा किलोमीटर तक पहुंच गई। बेतियाहाता स्थित पेट्रोल पंप पर तेल खत्म होने के बाद भी लोग घंटों लाइन में खड़े रहे। बाद में कर्मचारियों के समझाने पर लोग वहां से हटे। पेट्रोल-डीजल की किल्लत की आशंका के बीच शुक्रवार को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भीड़ रही। कई स्थानों पर लंबी कतारें लगी रहीं, जबकि कुछ पंपों पर तेल खत्म होने के बाद लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा।शहर में पेट्रोल और डीजल लेने के लिए लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

विभाग का दावा है कि किल्लत दूर करने के लिए 200 टैंकर मंगाए गए हैं। यूनिवर्सिटी के पास स्थित पेट्रोल पंप पर दिनभर वाहनों की भीड़ लगी रही। गोरखपुर-सोनौली मार्ग पर गोरखनाथ क्षेत्र के लक्ष्मीपुर स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम पंप पर वाहनों की लाइन करीब आधा किलोमीटर तक पहुंच गई। बेतियाहाता स्थित पेट्रोल पंप पर

तेल खत्म होने के बाद भी लोग घंटों लाइन में खड़े रहे। बाद में कर्मचारियों के समझाने पर लोग वहां से हटे। काली मंदिर के पास स्थित पेट्रोल पंप पर सुबह से लगातार पेट्रोल वितरण होने के कारण कर्मचारियों को बीच में ब्रेक लेना पड़ा। हालांकि, देर रात तक शहर के अधिकांश पंपों पर पेट्रोल और डीजल उपलब्ध रहा। जिन पंपों पर आपूर्ति नहीं पहुंची थी, वहां लोग देर रात तक आते-जाते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति कुछ ऐसी ही रही। सिकरीगंज क्षेत्र के हरदत्तपुर स्थित भारत पेट्रोलियम पंप पर तेल पहुंचते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। सड़क तक लंबी कतार लगने से कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। अमोढ़ा पेट्रोल पंप पर भी करीब एक सप्ताह बाद पेट्रोल-डीजल पहुंचने पर भारी भीड़ जुटी।

गोरखपुर में सीएम योगी का सख्त निर्देश

बोले- काम में तेजी ले आएं, वर्षा के पहले पूरा कराएं सड़क निर्माण

संवाददाता, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एचएन सिंह चौक से हड़हवा फाटक होते हुए जगेसर पासी चौराहे तक बन रही टूलेनफोरलेन सड़क को एक महीने में पूरा कराने को कहा है। काम की धीमी गति पर उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के अधिकारियों पर नाराजगी जताई। पूछा, क्या वर्षा शुरु होने का इंतजार कर रहे हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क चौड़ीकरण में यह ध्यान रखा जाए कि आवागमन बाधित न होने पाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि सड़क पर कहीं भी पानी न जमा होने पाए। गोड़धोइया नाला परियोजना का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री 495.24 करोड़ रुपये की लागत से हो रहे एचएन सिंह चौक-जगेसर पासी चौराहा सड़क चौड़ीकरण कार्य देखने पहुंचे। वह सबसे पहले सूर्यवंशी टावर के पास रुके। यहां उन्होंने कार्यदायी संस्था पीडब्लूडी द्वारा प्रस्तुत लेआउट माडल देखा और सड़क की लंबाई-चौड़ाई और अब तक निर्माण प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने इस दौरान काम में और तेजी लाने के निर्देश दिए। कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने बताया कि अगले एक माह में कार्य पूर्ण करा लिया जाएगा।

इस दौरान सीएम ने अफसरों से कहा कि

ऐसी व्यवस्था बनाएं जिससे काम के दौरान आवागमन में कोई व्यवधान न हो। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं का पूरा ध्यान रखना होगा। बिजली के तारों को भूमिगत किया जाए। सड़क के किनारे स्ट्रीट लाइट बेतरतीब न रहे। सड़क और इसके आसपास के मोहल्ले में जलजमाव न होने पाए। उन्होंने जलनिकासी के लिए हेड टू टेल मुकम्मल इंतजाम की हिदायत दी। सूर्यवंशी टॉवर से आगे बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री इस मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पास रुके। यहां भी उन्होंने निर्माण कार्य की जानकारी ली। सीएम योगी ने जन सुरक्षा के लिहाज से नालों को कहीं भी खुला न रहने देने के निर्देश दिए। कहा कि जहां निर्माण हो रहा हो, वहां सुरक्षा घेरा अवश्य बनाया जाए। इसके पश्चात मुख्यमंत्री हड़हवा फाटक के पास पहुंचे। यहां उन्होंने ड्राइंग मैप देखने के बाद कहा कि सड़क को इस तरह बनाया जाए जिससे एक तरफ परिवहन होता रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा हड़हवा फाटक के आसपास क्षेत्र में जलजमाव की समस्या न होने पाए। मानसून आने से पहले इस पर पूरा ध्यान होना चाहिए। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री का चौथा और अंतिम पड़ाव जगेसर पासी चौराहा रहा। यहां भी उन्होंने काम में तेजी लाने और जनता की सुविधाओं का ख्याल रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह आदि भी मौजूद रहे।

नागरिकों ने किया अभिनंदन

जगेसर पासी चौराहा पर पूर्व उपसभापति व पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने अपनी मां पूर्व पार्षद रेखा वर्मा व अन्य नागरिकों के साथ मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। साथ ही तरंग रेलवे क्रासिंग से धर्मशाला की ओर जलनिकासी सुदृढ़ कराने की मांग की। इस दौरान भाजपा महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डा. सत्येंद्र सिन्हा, उपसभापति पवन त्रिपाठी, वीर सिंह सोनकर, धर्मदेव चौहान, नंदलाल गुप्ता, बृजेश कुमार सिंह एडवोकेट, प्रेम सिंह राठौर एडवोकेट, जयप्रकाश जायसवाल, जयप्रकाश गुप्ता, सतीश मौर्य, मोहम्मद आसिफ, जितेंद्र गौड़ एडवोकेट, अश्वनी गुप्ता, अमन सिंह आदि मौजूद रहे।

अभाविप का प्रदर्शन-प्रदर्शन-हंगामे के बाद पेड़ों की कटाई पर रोक

गोरखपुर,संवाददाता। कुलपति को सौंपे गए पांच सूत्रीय ज्ञापन में अभाविप ने मांग की कि पेड़ों की कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। इससे संबंधित सभी आदेश, अनुमतियां एवं दस्तावेज तत्काल सार्वजनिक किए जाएं व पूरे प्रकरण की न्यायिक या उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। परिषद ने नियमों के विरुद्ध आदेश जारी करने एवं पूरी प्रक्रिया संचालित करने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की भी मांग उठाई।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पेड़ों की कटाई का मामला लगातार गरमाता देख इस पर रोक लगा दी गई है। मामले की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। छात्र संगठनों के लगातार धरना-प्रदर्शन और तय से अधिक पेड़ काटे जाने के आरोपों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। अभाविप की ओर से शुक्रवार को प्रदर्शन के बाद कुलपति के आग्रह पर वन विभाग ने जांच पूरी होने तक रोक का आदेश जारी कर दिया। अभाविप, एनएसयूआई और समाजवादी छात्रसभा समेत विभिन्न छात्र संगठन और छात्रनेता बुधवार से ही इस मामले को लेकर आंदोलन कर रहे थे। परिसर में 2000 से अधिक पेड़ काटे जाने के आरोप लग रहे थे। शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मामले को लेकर डीडीयू के प्रशासनिक भवन पर हल्ला बोल दिया। करीब तीन घंटे तक अभाविप ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को देखते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन धरना स्थल पर पहुंचीं।

कुलपति को सौंपे गए पांच सूत्रीय ज्ञापन में अभाविप ने मांग की कि पेड़ों की कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। इससे संबंधित सभी आदेश, अनुमतियां एवं दस्तावेज तत्काल सार्वजनिक किए जाएं व पूरे प्रकरण की न्यायिक या उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। परिषद ने नियमों के विरुद्ध आदेश जारी करने एवं पूरी प्रक्रिया संचालित करने वाले अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की भी मांग उठाई। साथ ही परिसर में व्यापक स्तर पर पौधरोपण कर पर्यावरणीय क्षति की भरपाई सुनिश्चित करने की भी मांग की। अभाविप के डीडीयू इकाई के मंत्री अरविंद मिश्र ने कहा कि परिसर में 1192 पेड़ों की कटाई का आदेश न केवल पर्यावरण संरक्षण की भावना के विपरीत है बल्कि विश्वविद्यालय की प्राकृतिक पहचान एवं पारिस्थितिक संतुलन पर भी सीधा आघात है। अभाविप कार्यकर्ताओं में वन विभाग के प्रति भी गहरा आक्रोश देखने को मिला। आरोप लगाया कि इस मामले को लेकर अभाविप के कार्यकर्ताओं ने मंडल वन अधिकारी से भी मुलाकात की लेकिन वन विभाग ने संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं तत्परता नहीं दिखाई।

सड़क पर दो पक्षों में पथराव

आयुष मंत्री का रुका काफिला पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा

गोरखपुर,संवाददाता। बड़हरिया निवासी बरकतुल्लाह का मकान निर्माणाधीन है। शुक्रवार को गांव के ही जब्बार अली वहां से गुजर रहे थे, तभी उन पर पानी के छींटे पड़ गए, जिससे कहासुनी शुरू हो गई। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया था। आरोप है कि इसके बाद बरकतुल्लाह ने अपने रिश्तेदारों को बुला लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में फिर विवाद बढ़ गया और पथराव शुरू हो गया। इसी दौरान आयुष मंत्री का काफिला वहां से गुजर रहा था। गुलरिहा इलाके में निर्माणाधीन मकान से पानी के छींटे पड़ने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि जमकर ईंट–पत्थर चलने लगे। इसी दौरान उसी मार्ग से गुजर रहे आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र श्दयालुश के काफिले को बीच रास्ते में रोकना पड़ा। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए भीड़ को खदेड़ दिया। इस दौरान कई पुलिसकर्मी भी पथराव की चपेट में आने से बाल–बाल बच गए। मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भटहट निवासी बरकतुल्लाह, अब्दुल जब्बार, सद्दाब उर्फ छोटू, सगीर अहमद तथा चिलबिलवा निवासी असजद, फरद्दीन, साहिल और मेहंदी हसन के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, बड़हरिया निवासी बरकतुल्लाह का मकान निर्माणाधीन है। गांव के ही जब्बार अली वहां से गुजर रहे थे, तभी उन पर पानी के छींटे पड़ गए, जिससे कहासुनी शुरू हो गई। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हो गया था।

आरोप है कि इसके बाद बरकतुल्लाह ने अपने रिश्तेदारों को बुला लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों में फिर विवाद बढ़ गया और पथराव शुरू हो गया। इसी दौरान आयुष मंत्री का काफिला वहां से गुजर रहा था। स्थिति को देखते हुए एस्कॉर्ट में तैनात चौकी प्रभारी मदन मोहन मिश्रा ने वाहन रुकवाकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर भीड़ को तितर–बितर किया। इसके बाद मंत्री का काफिला आगे रवाना किया गया। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों से आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अनूठी मिसाल... एक किचन में बनता है 52 लोगों का खाना

वाराणसी,संवाददाता। काशी का मौर्य परिवार सामूहिकता की अनूठी मिसाल है। यहां रोज 52 लोगों का खाना एक किचन में बनता है। 10 लीटर दूध का चाय बनता है। वहीं सुबह छह बजे से ही नाश्ता बनना शुरू हो जाता है। बदलते समय के साथ जहां परिवारों में विघटन की समस्या बढ़ी है, वहीं काशी का मौर्य परिवार आज भी संयुक्त परिवार की मिसाल है। इस परिवार की खासियत यह है कि यहां हर दिन एक ही चूल्हे पर 52 लोगों का खाना बनता है। परिवार की मुखिया के इस आदेश का सभी पालन करते हैं। करीब साढ़े तीन घंटे में भोजन तैयार हो जाता है। घर की महिलाएं हर दिन 300 रोटियां बनाती हैं, जबकि करीब पांच किलोग्राम चावल पकता है। परिवार में 10 लीटर दूध की चाय बनती है। संयुक्त परिवार के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से हर वर्ष 15 मई को विश्व परिवार दिवस मनाया जाता है। मौर्य परिवार की बात करें तो परिवार के सबसे वरिष्ठ सदस्य ओमप्रकाश मौर्य के निधन के बाद उनकी पत्नी और घर की सबसे वरिष्ठ सदस्य लालमनी देवी के मार्गदर्शन में पूरा परिवार संचालित हो रहा है।

मकान में हैं 40 कमरे

परिवार के सभी सदस्यों की अपनी–अपनी जिम्मेदारियां हैं, जिनका वे बखूबी निर्वहन करते हैं। अकथा स्थित मकान में 40 से अधिक कमरे हैं और एक बड़ा डायनिंग हॉल भी है, जहां परिवार के सदस्य सामूहिक रूप से नाश्ता और भोजन करते हैं। सबसे खास बात यह है कि खाने का मेन्यू भी घर की मुखिया के निर्देश पर ही तय होता है। पूरा परिवार शाकाहारी है और नवरात्र में बिना लहसुन–प्याज के भोजन बनाया जाता है। ऐसे संयुक्त परिवार अब कम ही देखने को मिलते हैं।

सुबह 6 बजे से नाश्ता बनना शुरू हो जाता है

मौर्य परिवार के सदस्य और अशोका इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, पहड़िया के वाइस चेयरमैन अमित मौर्य का कहना है कि एक समय का भोजन तैयार होने में करीब साढ़े तीन घंटे लगते हैं। मम्मी, चाची और भाभियां मिलकर पूरा काम संभालती हैं। हर दिन बच्चों के स्कूल जाने के बाद सुबह 6 बजे से नाश्ता और भोजन बनना शुरू होता है, जो सुबह 9रू30 बजे तक तैयार हो जाता है। वहीं रात के भोजन के लिए शाम 3रू30 बजे से किचन में काम शुरू हो जाता है और रात 7 बजे तक खाना तैयार हो जाता है। भोजन तैयार होने के बाद सबसे पहले घर के बच्चे शाम 7 से 8 बजे तक एक साथ टेबल पर खाना खाते हैं। इसके बाद घर की महिलाएं और फिर चाचा, पापा और सभी भाई मिलकर भोजन करते हैं। चाहे किसी के पास कितनी भी व्यस्तता हो, लेकिन भोजन के समय सभी लोग एक साथ जरूर मिलते हैं। रात 10 बजे तक सभी का भोजन पूरा हो जाता है।

आंधी में उड़ने वाले नन्हे मियां से मिले प्रभारी मंत्री कहा– जाको राखे साइयां मार सके न कोय

बरेली,संवाददाता। बरेली के भमोरा इलाके में तेज आंधी में उड़े नन्हे मियां से जिले के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने मुलाकात की। उनका हाल जाना। प्रभारी मंत्री ने नन्हे मियां को 11 हजार रुपये सहायता राशि दी। बरेली के आंवला तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता विभाग व जिले के प्रभारी जेपीएस राठौर ने आपदा प्रभावित परिवारों को सहायता राशि के प्रतीकात्मक चेक बांटे।

इस दौरान वह पीड़ित नन्हे मियां से भी मिले। नन्हे मियां बुधवार को आई तेज आंधी में 50 फुट ऊंचाई तक उड़ गए थे और मक्का में खेत में गिरे थे। इससे वह घायल हो गए।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर घटना के मात्र 24 घंटे के भीतर सहायता राशि सीधे पीड़ितों के बैंक खातों में भेज दी गई, जबकि पिछली सरकारों में इसके लिए पीड़ितों को चप्पलें घिसनी पड़ती थीं।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है। केंद्र व प्रदेश में सरकार आने के बाद हमने गरीब परिवारों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई गई हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि आज जनधन योजना के तहत खोले गए खाते में सरकार की ओर से भेजी गई पूरी सहायता राशि पहुंच रही है। कांग्रेस सरकार में 100 में से 15 रुपये ही मिल पाते थे।

पीड़ितों को दिए प्रतीकात्मक चेक

प्रभारी मंत्री ने जनहानि होने पर बेहटा जुनु की पुष्पा देवी और हर्रामपुर के राजेश कुमार को चार–चार लाख रुपये के प्रतीकात्मक चेक सौंपे। आपदा में घायल होने पर राजकुमार, अशोक कुमार, गुलशन को आठ–आठ हजार के प्रतीकात्मक चेक दिए। कृषक दुर्घटना योजना के तहत फूलवती, उर्मिला, नवीता, कन्यावती, चांदनी, महिपाल, वरफा देवी को पांच–पांच लाख रुपये के चेक सौंपे।

नन्हे मियां को दी सहायता राशि

प्रभारी मंत्री ने गांव बमियाना के पीड़ित नन्हे मियां को 11 हजार रुपये नकद दिए। उनके प्रकरण पर कहा कि जाको राखे साइयां मार सके न कोय...। मकान क्षति के 30 पीड़ितों को कुल 1,62,000 रुपये और पशु हानि के नौ पीड़ितों को भी सहायता राशि वितरित की गई। डरूआपुर गांव में जिन 10 किसानों की गेहूं की फसल खाक हुई थी, उन्हें कुल 2,29,973 रुपये की सहायता राशि दी गई।

जूते साफ कराऊंगा... बयान पर आजम खान को 2 साल के लिए जेल, अब तक 8 मामलों में दोषी

संवाददाता, रामपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां को जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में शनिवार को न्यायालय ने दो साल के कारावास की सजा सुनाई है। आजम खां के खिलाफ अब तक 16 मुकदमों में फैसला आ चुका है। उन्हें आठ मामलों में सजा मिल चुकी है, जबकि आठ मुकदमों में वह बरी हुए हैं।शनिवार को जिस मामले में फैसला आया है, वह वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है।

आजम खां पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े थे। तब सपा और बसपा का गठबंधन था। रामपुर लोकसभा सीट सपा को मिली थी। चुनाव प्रचार के दौरान आजम खां ने कई बार विवादित बयानबाजी की थी। उनके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में कई मुकदमे आचार संहिता उल्लंघन के दर्ज हुए थे। चुनाव आयोग ने उनके प्रचार पर भी रोक लगा दी थी।

इनमें ही एक मुकदमा थाना भोट में दर्ज हुआ था। आजम खां का एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें वह वाहन पर खड़े होकर माइक से बोल रहे थे और लोग उनके वाहन के चारों ओर खड़े उन्हें सुन रहे थे।

उन्होंने कहा था कि डटे रहो। यह कलक्टर पलक्टर से मत डरियो। यह तनखइया हैं। तनखइयों से नहीं डरते हैं।

देखे हैं मायावती जी के फोटो। कैसे बड़े–बड़े अफसर रुमाल निकालकर जूते साफ करते हैं। उन्हीं से गठबंधन है। उनके ही जूते साफ कराऊंगा इनसे अल्लाह ने चाहा। उस समय रामपुर में जिलाधिकारी आंजनेय कुमार सिंह थे, जो वर्तमान में मंडलायुक्त हैं।

पुलिस ने जांच कर आरोप प्त्र न्यायालय में दाखिल कर दिया था। मुकदमे की सुनवाई एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही थी। ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी राकेश मौर्य ने बताया कि न्यायालय ने आजम खां को दोषी मानते हुए दो साल के कारावास की सजा सुनाई है।

दो पैन कार्ड मामले में पहले से जेल में बंद हैं आजम खां

सपा नेता आजम खां अपने बेटे अब्दुल्ला के साथ पहले से जेल में बंद हैं। दोनों को 17 नवंबर 2025 को इसी न्यायालय से दो पैन कार्ड मामले में सात–सात साल के कारावास की सजा हुई थी।

जेल में बिता चुके हैं दो साल से ज्यादा का समय

आजम खां को डीएम के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के जिस मामले में दो साल की सजा हुई है, उससे अधिक अवधि वह जेल में पहले ही बिता चुके हैं। 18 अक्टूबर 2023 को दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) ने ही आजम खां, उनकी पत्नी पूर्व सांसद डा. तंजीम फात्मा और बेटे पूर्व विधायक अब्दुल्ला को सात–सात साल कारावास की सजा सुनाई थी। यह सजा अब्दुल्ला के अलग–अलग जन्मतिथि से दो जन्म प्रमाण पत्र बनाने पर हुई थी, जिसका मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने गंज कोतवाली में तीन जनवरी 2019 को दर्ज कराया था। सजा सुनाए जाने के बाद पहले तीनों को रामपुर जेल में बंद किया गया था।

बाद में 22 अक्टूबर 2023 को आजम खां को सीतापुर और अब्दुल्ला को हरदोई की जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। तब आजम खां 23 माह सीतापुर जेल में बंद रहे थे।

23 सितंबर 2025 को जमानत मिलने पर वह सीतापुर जेल से बाहर आए थे। हालांकि 52 दिन ही दो पैन कार्ड मामले में फैसला आने पर आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला को फिर से जेल जाना पड़ा था। 17 नवंबर 2025 से वह जेल में बंद हैं। यानी, दोबारा जेल में उन्हें छह माह हो चुके हैं।

यूपी के सरकारी मास्टरों के लिए आया एक और फरमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश में जून और जुलाई के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न बड़ी भर्ती परीक्षाओं के मद्देनजर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों और कर्मचारियों के जिला मुख्यालय छोड़ने पर रोक रहेगी। इस संबंध में कई जिलों के जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) ने आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार, बेसिक और माध्यमिक शिक्षा से जुड़े शिक्षक, प्रधानाचार्य और शिक्षणेत्तर कर्मचारी गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी बिना अनुमति जिले से बाहर नहीं जा सकेंगे। केवल आपात या आवश्यक परिस्थितियों में जिला विद्यालय निरीक्षक की लिखित अनुमति के बाद ही बाहर जाने की अनुमति मिलेगी। जून–जुलाई में लेखपाल मुख्य परीक्षा, सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, बीएड प्रवेश परीक्षा, आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा, राजकीय इंटर कालेज प्रवक्ता भर्ती परीक्षा व यूपीटीईटी सहित आधा दर्जन से अधिक परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इन परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए शिक्षकों की ड्यूटी कक्ष निरीक्षक एवं अन्य जिम्मेदारियों में लगाई जाएगी।

तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की मिली नग्न लाश, मुंह में ठूंसा था कपड़ा, आम लेने के लिए घर से निकली थी

बहराइच,संवाददाता। बहराइच में आम तोड़ने गई छात्रा का शव शनिवार सुबह झाड़ियों में मिलने से सनसनी फैल गई। बच्ची के मुंह में कपड़ा ठूंसा था और शरीर पर कपड़े नहीं थे। दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी है। बहराइच में बाग जाने के लिए शुक्रवार सुबह घर से निकली छात्रा रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। शनिवार सुबह झाड़ियों से उसका शव मिला।

मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। शरीर पर कपड़े नहीं थे। दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। फॉरेंसिक टीम भी मौके से साक्ष्य जुटा रही है।

एक गांव निवासी छात्रा प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन में पढ़ती थी। शुक्रवार को छात्रा स्कूल नहीं गई थी। वह सुबह बाग से आम लाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने तलाश शुरू की। लेकिन छात्रा का कहीं पता नहीं चला।

परिजनों ने दर्ज कराई थी प्राथमिकी

इस पर परिवार के लोगों ने थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराई। परिजनों के साथ ही ग्रामीण और पुलिस लगातार छात्रा की तलाश में जुटे हुए थे। इसी बीच शनिवार सुबह बाग से कुछ दूरी पर स्थित मक्के के खेत से छात्रा का शव मिला। भारी भीड़ जमा हो गई। छात्रा के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और शरीर पर कपड़े नहीं थे, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश फैल गया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है, वहीं परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव, एएसपी डीपी तिवारी, क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार और प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फॉरेंसिक टीम की मदद से भी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों पर स्थिति स्पष्ट होने की बात कही जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

895 दिन और आठ गवाह, पूर्व विधायक पत्नी और बेटे-बहू को सजा

भदोही ,संवाददाता। भदोही एमपी–एमएलए कोर्ट ने रिश्तेदार के पैतृक आवास पर कब्जा करने और माइनिंग फर्म को नियंत्रण में लेने के मामले में सपा व निषाद पार्टी के पूर्व विधायक विजय मिश्रा, उसकी पत्नी पूर्व एमएलसी रामलली और बेटे विष्णु मिश्रा को 10–10 साल की सजा सुनाई है। वहीं बहू रूपा मिश्रा को चार साल की सजा सुनाई गई है। 895 दिनों तक मुकदमे में कुल आठ गवाहों को पेश किया गया।

इसके बाद विजय मिश्रा, उनकी पत्नी, बेटे और बहू को सजा मिल सकी। इस मामले में 2020 में हुई गिरफ्तारी के बाद से विजय मिश्रा सलाखों से बाहर नहीं आ सका।

रिश्तेदार कृष्ण मोहन तिवारी की ओर से 04 अगस्त 2020 पैतृक आवास पर कब्जा करनभदोही में पैतृक आवास पर कब्जा करने और माइनिंग फर्म को नियंत्रण में लेने के मामले में पुलिस ने 20 नवंबर 2023 को कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया था।` और माइनिंग फर्म को नियंत्रण में लेने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। 14 अगस्त 2020 को मध्य प्रदेश के मालवा जिले के आगर से विजय मिश्रा को गिरफ्तार किया गया था।

जुलाई 2022 में बेटे विष्णु मिश्रा को पुणे से गिरफ्तार किया गया था। इस पर इनाम भी घोषित किया गया था। 2022 में ही पूर्व एमएलसी पत्नी रामलली मिश्रा की भी गिरफ्तारी हुई थी। रामलली मिश्रा को बाद में कोर्ट से जमानत मिल गई थी लेकिन विजय मिश्रा जेल की सलाखों से बाहर नहीं आ पाया। विजय मिश्रा इस समय आगरा जेल में, जबकि उनका बेटा विष्णु मिश्रा लखीमपुर खीरी जेल में बंद है। बृहस्पतिवार को दोषी करार दिए जाने के बाद रामलली और रूपा मिश्रा को जेल भेज दिया गया था।

पूर्व विधायक विजय मिश्रा को अब तक सजा

15 मई 2026 : संपत्ति हड़पने के मामले में पूर्व विधायक विजय मिश्रा, पत्नी व बेटे को 10 साल और बहू को चार साल कैद।

13 मई 2026 : प्रयागराज के एमपी–एमएलए कोर्ट ने कचहरी हत्याकांड में पूर्व विधायक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

13 जून 2024 : पूर्व विधायक विजय मिश्रा को आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में एक महीने की साधारण कारावास की सजा।

मार्च 2023रू आर्म्स एक्ट के तहत 5 साल की सजा सुनाई गई।

4 नवंबर 2023 रू गायिका से दुष्कर्म के मामले में विजय मिश्रा को 15 साल की कैद।

फैसला आते ही रोने लगीं सास–बहू

एमपी–एमएलए कोर्ट ने जैसे ही फैसला सुनाया, वैसे ही रामलली और रूपा मिश्रा कोर्ट परिसर में रोने लगीं। वहां रूपा की 12 साल की बेटी भी मौजूद थी। वह दादी और मम्मी को रोता देख रोने लगी। इस दौरान कोर्ट परिसर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

कब–क्या हुआ

4 अगस्त 2020: विधायक समेत पत्नी व बेटे पर गोपीगंज कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज।

20 नवंबर 2023 : पुलिस को ओर से न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित, मुकदमे में रूपा का भी नाम शामिल।

14 मई 2026 : दोषी करार देते हुए फैसला सुरक्षित रखा।

15 मई, 2026: विजय मिश्रा, पत्नी व बेटे समेत बहू को सजा।

लू और तपिश का अलर्ट

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में लगातार मौसम में उतार चढ़ाव जारी है। बीते 13 और 14 मई को तेज आंधी और झोंकेदार हवाओं ने कई जिलों में भारी नुकसान पहुंचाया। कई जगह पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे जनजीवन प्रभावित रहा। दूसरी ओर बुंदेलखंड और दक्षिणी जिलों में भीषण गर्मी व तेज धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

मौसम विभाग ने लिए बुंदेलखंड के बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, हमीरपुर, महोबा, झांसी और ललितपुर इन आठ जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में गर्मी और तपिश का असर प्रदेश के मध्य हिस्सों तक तेजी से पहुंचेगा। शुक्रवार को बांदा 43.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। इसके अलावा झांसी, उरई, प्रयागराज और आगरा में भी गर्मी का असर तीखा बना रहा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार फिलहाल प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं है। ऐसे में मौसम शुष्क बना रहेगा और विकिरणीय ऊष्मन से अगले पांच दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं 18 और 19 मई के लिए कई क्षेत्रों में भीषण गर्मी का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

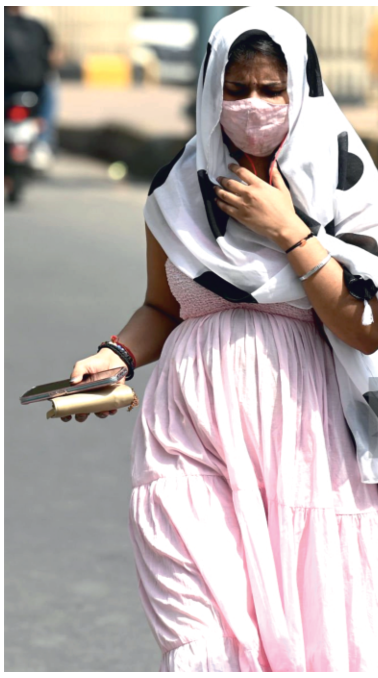

प्रदूषण से मुक्ति–यूपी माडल से स्नान योग्य हुई गंगा की पावन धारा

नमामि गंगे अभियान से संभव हुआ शुद्धिकरण

प्रयागराज,संवाददाता। नमामि गंगे अभियान के तहत हुए भारी निवेश और आधुनिक तकनीक के समन्वय से गंगा की मुख्यधारा अब पूरी तरह स्नान–योग्य श्रेणी में आ चुकी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ताजा रिपोर्ट ने इस ऐतिहासिक सुधार पर वैज्ञानिक मुहर लगा दी है। दशकों से प्रदूषण की मार झेल रही गंगा उत्तर प्रदेश में अब नई इबारत लिख रही है। नमामि गंगे अभियान के तहत हुए भारी निवेश और आधुनिक तकनीक के **समन्वय से गंगा की मुख्यधारा अब पूरी तरह स्नान**–योग्य श्रेणी में आ चुकी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ताजा रिपोर्ट ने इस ऐतिहासिक सुधार पर वैज्ञानिक मुहर लगा दी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2018 तक कन्नौज से वाराणसी तक का एक बड़ा हिस्सा प्राथमिकता–चार नामक खतरनाक प्रदूषित श्रेणी में रखा गया था। आज वह पूरी पट्टी साफ हो चुकी है। अब प्रदूषण केवल फर्रुखाबाद, डालमऊ और मिर्जापुर के तीन बेहद छोटे हिस्सों तक सिमट गया है, जिन्हें न्यूनतम प्रदूषण (प्राथमिकता–पांच) की श्रेणी में रखा गया है। उत्तर प्रदेश में गंगा का प्रवाह सबसे लंबा होने के कारण चुनौती बड़ी थी। इससे निपटने के लिए 16,201 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। राज्य की 80 परियोजनाओं में से 53 पूरी हो चुकी हैं, जिससे 1,520 एमएलडी शोधन क्षमता चालू है

वाराणसी, कानपुर और प्रयागराज जैसे 11 बड़े शहरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट मिशन मोड में काम कर रहे हैं

अकेले वाराणसी और आगरा में लाखों नागरिकों के गंदे पानी का शोधन हो रहा है, जिससे गंगा में सीधे गिरने वाला कचरा रुक गया है

शून्य प्रदूषण का संकल्प

अगला लक्ष्य गंगा को शून्य प्रदूषण के स्तर पर ले जाना है। बचे हुए तीन छोटे हिस्सों के लिए भी कार्य योजना तैयार है। एनएमसीजी के उप महानिदेशक नलिन कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, बीओडी मानकों में सुधार यह साबित करता है कि दशकों बाद गंगा की जल गुणवत्ता में वास्तविक और वैज्ञानिक सुधार हुआ है।

बलिया से फरक्का तक गंगा की होगी 3डी मैपिंग

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) ने गंगा नदी के प्रबंधन के लिए एक बड़ी योजना शुरू की है। इसके तहत उत्तर प्रदेश के बलिया से पश्चिम बंगाल के फरक्का तक गंगा कॉरिडोर का हवाई लिडार सर्वे और 3डी मैपिंग कराई जाएगी। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत शुरू यह परियोजना यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से गुजरने वाली नदी के हिस्सों को कवर करेगी। अत्याधुनिक जियोस्पेशियल तकनीक के जरिये नदी का 3डी डिजिटल ट्विन तैयार किया जाएगा। इसमें मानवयुक्त विमानों, ड्रोन और फोटोग्रामेट्री का उपयोग होगा। इसका मकसद नालों के निकास द्वारों, संगम बिंदुओं और बाढ़ क्षेत्रों की सटीक पहचान करना है।

शिक्षक–शिक्षणेत्तर कर्मियों को लेकर सख्त आदेश

अब जून–जुलाई में भी जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में जून–जुलाई के दौरान होने वाली भर्ती और बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मी बिना अनुमति जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। प्रशासन ने परीक्षा ड्यूटी और जनगणना कार्य को लेकर सख्ती बढ़ाई है। माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मी जून–जुलाई में जिला मुख्यालय नहीं छोड़ सकेंगे। इस दौरान होने वाली भर्ती परीक्षाओं के कारण शिक्षकों के जिला मुख्यालय छोड़ने पर रोक रहेगी। जिला स्तर पर डीआईओएस द्वारा इसके आदेश जारी किए जा रहे हैं। जून–जुलाई में लेखपाल भर्ती लिखित परीक्षा, पुलिस भर्ती, जीआईसी प्रवक्ता, बीएड परीक्षा, यूपीटेट समेत आधा दर्जन से अधिक परीक्षाएं प्रस्तावित हैं। इसके साथ ही जनगणना का भी भौतिक काम शुरू होने वाला है। ऐसे में ये शिक्षक गर्मी की छुट्टियों का भी लाभ नहीं उठा सकेंगे।

डीआईओएस की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि आकस्मिक व वैध कारण होने पर ही जिला विद्यालय निरीक्षक की अनुमति से वे जिला मुख्यालय से बाहर जा सकेंगे। इसके लिए उन्हें लिखित अनुमति लेनी होगी। वहीं माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने कहा कि परीक्षा कराने के लिए अनुभवी शिक्षकों की जरूरत होती है। लिहाजा स्कूलों के शिक्षक व स्टाफ को ही इसमें ड्यूटी लगाई जाती है। कक्ष निरीक्षक बनाया जाता है ताकि किसी प्रकार की कोई समस्या न हो।

माध्यमिक के दो अपर शिक्षा निदेशक के कार्यक्षेत्र में बदलाव

माध्यमिक शिक्षा विभाग ने समूह क श्रेणी के दो अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। विभाग के संयुक्त सचिव संदीप परमार की ओर से जारी आदेश के अनुसार अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) सुरेंद्र कुमार तिवारी को अपर शिक्षा निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा) के पद पर तैनात किया गया है। वहीं अपर शिक्षा निदेशक (व्यावसायिक शिक्षा) मनोज कुमार द्विवेदी को अपर शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) बनाया गया है। इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करके इसका प्रमाण शासन को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

आकांक्षी जिलों के शिक्षक तबादले के लिए पहुंचे निदेशालय

प्रदेश के आकांक्षी जिलों के परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षकों ने अपने साथ दोहरा व्यवहार करने और तबादले का लाभ न देने का आरोप लगाया है। अपने तबादले के लिए कई जिलों के शिक्षक शुक्रवार को बेसिक से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के चक्कर काटते रहे लेकिन उन्हें कोई प्रभावी आश्वासन नहीं मिला है। शिक्षकों ने बताया कि वर्ष 2018 और 2020 में इन जिलों के तबादले पर रोक लगा दी गई थी। 2023 में मात्र 10 फीसदी शिक्षकों के ही तबादले हुए। इसमें अधिक भारांक वाले शिक्षकों का ही तबादला हुआ। वरिष्ठ शिक्षक इससे वंचित हैं।

उन्होंने कहा कि बेसिक शिक्षा नियमावली के तहत वरिष्ठता के आधार पर एक से दूसरे जिले में तबादला किया जाए। इसमें भारांक की भेदभावपूर्ण नीति को समाप्त किया जाए। वहीं, इन जिलों में लगी अघोषित रोक को तत्काल हटाया जाए ताकि हमारे परिवार को राहत मिल सके। शिक्षकों ने इस गर्मी की छुट्टी में इस आधार पर जल्द तबादला प्रक्रिया पूरी करने की मांग उठाई।

नीदरलैंड में पीएम के आगमन से प्रवासी उत्साहित राजा से मुलाकात समेत कई कार्यक्रम

चार यूरोपीय देशों के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी यात्रा के पहले चरण में देर रात नीदरलैंड पहुंचे। पीएम मोदी यहां के राजा विलियम और रानी मैक्सिमा से मुलाकात करेंगे। नीदरलैंड के एम्सटर्डम में गर्मजोशी से पीएम मोदी का स्वागत किया गया। उन्होंने भारतीय प्रवासियों से भी संक्षिप्त मुलाकात की। पीएम मोदी इस दौरे पर क्या कुछ करने वाले हैं? वे किन प्रमुख कार्यक्रमों में शरीक होंगे? पीएम की विदेश दौरे से जुड़े ऐसे तमाम सवालों के जवाब अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में जानिए

पीएम के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम

इसके अलावा प्रधानमंत्री हेग के होटल में पहुंचते ही पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद लेते नजर आए। इसमें महिलाओं–पुरुषों की एक टीम को सांस्कृतिक नृत्य पेश करते देखा गया। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान कार्यक्रम पेश करने वाले कलाकारों के दल में शामिल गौतम ने कहा, श्हमने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में गरबा प्रस्तुत किया। हमने उनसे बातचीत की। हम सभी उनकी नीदरलैंड यात्रा को लेकर बहुत खुश और उत्साहित हैं। एक अन्य कलाकार कलाकार रीमा ने कहा कि हम सभी को प्रधानमंत्री मोदी के सामने प्रस्तुति देकर बहुत खुशी हुई... पूरा अनुभव अद्भुत था।

हेग में आध्यात्मिक प्रस्तुति, पीएम मोदी ने की सराहना

प्रधानमंत्री मोदी हेग शहर में एक आध्यात्मिक प्रस्तुति के साक्षी भी बने। गायन और संगीत के साथ कई गई खास तैयारी की उन्होंने सराहना भी की।

दोनों देशों के रिश्ते में नागरिकों की भी अहम भूमिका

द्विपक्षीय संबंधों में नागरिकों की भी अहम भूमिका रही है। नीदरलैंड में भारतीय मूल और एनआरआई (नॉन रेसिंडेंड इंडियंस) समुदाय के 90,000 से अधिक लोग रहते हैं। यहां सूरीनाम–हिंदुस्तानी समुदाय के भी 2,00,000 से अधिक सदस्य रहते हैं। डच विश्वविद्यालयों में वर्तमान में लगभग 3,500 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं।

पीएम मोदी का नीदरलैंड दौरा इतना अहम क्यों?

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे की अहमियत समझाते हुए विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि नीदरलैंड यूरोप में भारत के सबसे बड़े व्यापारिक गंतव्यों में से एक है। वित्त वर्ष 2024–25 में 27.8 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। भारत में निवेश के मामले में ये चौथा सबसे बड़ा देश भी है। इसका कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (थ्क्प्) 55.6 अरब अमेरिकी डॉलर है।

नॉर्वे में भारत–नॉर्डिक शिखर सम्मेलन: 18 मई को पीएम नॉर्वे पहुंचेंगे, समिट में करेंगे शिरकत

प्रधानमंत्री अपनी यूरोप यात्रा के दौरान नॉर्वे भी जाएंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 43 वर्षों में पहली नॉर्वे यात्रा होगी। वहां वह पीएम योनास गार स्टोरे के साथ व्यापार, निवेश, ब्लू अर्थव्यवस्था, हरित प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष सहयोग पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री भारत–नॉर्वे बिजनेस एंड रिसर्च समिट को भी संबोधित करेंगे। 19 मई को ओस्लो में तीसरा भारत–नॉर्डिक शिखर सम्मेलन आयोजित होगा, जिसमें नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के पीएम भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार नॉर्डिक देश प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटलीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के अहम साझेदार बनकर उभरे हैं।

स्वीडन में यूरोपीय गोलमेज सम्मेलन में होंगे मुख्य अतिथि

नीदरलैंड के बाद पीएम स्वीडन जाएंगे, जहां वह भारत–स्वीडन नवाचार साझेदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। वार्ता में एआई, हरित परिवर्तन, रक्षा सहयोग, जलवायु कार्रवाई और उभरती तकनीकों पर विशेष ध्यान रहेगा। पीएम मोदी यूरोपीय उद्योग गोलमेज सम्मेलन में मुख्य अतिथि भी होंगे, जहां यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन भी मौजूद रहेंगी।

यात्रा के अंत में इटली प्रवास...

यूरोपीय देशों की यात्रा के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री 19–20 मई को इटली जाएंगे। वहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से होगी। दोनों नेता व्यापार, निवेश और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री रोम स्थित संयुक्त राष्ट्र की संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन के मुख्यालय का भी दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 2023 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी और मेलोनी के बीच सात मुलाकातें हो चुकी हैं।

नीदरलैंड यात्रा का मुख्य फोकस व्यापार और निवेश, नागरिकों के संपर्क पर भी जोर

पीएम मोदी की यूरोप यात्रा ऐसे समय हो रही है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को इस वर्ष अंतिम रूप दिया गया है। यात्रा का मुख्य फोकस व्यापार, निवेश, हरित प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्टार्टअप और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना होगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक व्यापार और कृषि से आगे बढ़कर सेमीकंडक्टर, रक्षा, समुद्री सहयोग और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों तक पहुंच चुके हैं। प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय को भी संबोधित करने के अलावा शीर्ष कारोबारी नेताओं से भी बातचीत करेंगे।

फौजी की पत्नी का कत्ल

बीच सड़क पर गोलियों से भून डाली थी विवाहिता पति को नहीं मिली जमानत

आगरा,संवाददाता। पत्नी की गोली मारकर हत्या के मामले में आरोपी फौजी मनोज कुमार को अदालत से राहत नहीं मिली। जिला जज ने गंभीर आरोपों को देखते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी।

आगरा में पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी की गोली मारकर हत्या व अन्य आरोपों के मामले में राजस्थान धौलपुर के गांव राजा खेड़ा निवासी मृतका के फौजी पति मनोज कुमार ने अदालत में जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। जिला जज संजय कुमार मलिक ने खारिज कर दिया।

थाना फतेहाबाद में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार हरी सिंह की तहरीर देकर आरोप लगाया था कि 17 साल पहले उन्होंने अपनी पुत्री मंजू देवी की शादी आरोपी फौजी मनोज कुमार के साथ की थी। पिछले 9 साल से पुत्री और दामाद के बीच पारिवारिक विवाद होने पर मुकदमेबाजी चल रही थी। 18 जुलाई 25 को पुत्री मंजू देवी अपनी पुत्री मोहनी के साथ दीवानी से मुकदमे की तारीख कर घर लौट रही थी। फतेहाबाद से पीछा करते चले आ रहे 7 लोगों ने मां बेटी को गांव सारंगपुर पास घेरकर गोली मार दी। पुत्री की मौत हो गई। उसकी पुत्री मोहनी को धमकी दी कि किसी से शिकायत की तो उसकी भी हत्या कर देंगे। आरोपी ने पुत्री की हत्या अपने नाबालिग भतीजे से करवाई थी। पुलिस ने आरोपी पति सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

पैसे लेकर सीक्रेट क्लास में लिखवाए प्रश्न–उत्तर

NEET पेपर लीक की पटकथा

पुणे में रची गई पूरी साजिश | 'सीक्रेट क्लास' में बताए प्रश्न-उत्तर | शिकंजे में 'किंगपिन' पीवी कुलकर्णी

नीट यूजी: पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

- पेपर लीक का मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी गिरफ्तार।
- आरोपी पुणे में रसायन विज्ञान का शिक्षक है।
- आरोपी की प्रश्नपत्रों तक सीधी पहुंच थी।
- अब तक इस पूरे मामले में सात आरोपी गिरफ्तार।

कैसे हुआ NEET पेपर लीक?

- परीक्षा से पहले घर पर लगती थीं गुप्त कोचिंग क्लास।
- छात्रों को हाथ से लिखवाए जाते थे नोट्स।
- बरामद नोट्स असली केमिस्ट्री पेपर से मिले।
- छात्रों से लाखों रुपये लेने का आरोप।
- CBI की छापेमारी में अब तक सात गिरफ्तार।

नई दिल्ली,एजेंसी । सीबीआई ने नीट–यूजी 2026 पेपर लीक मामले की जांच जारी है, मामले का मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार हो चुका है। आरोप है कि रिटायर्ड केमिस्ट्री टीचर कुलकर्णी ने पुणे में स्पेशल क्लास चलाकर छात्रों को परीक्षा के सवाल और जवाब लिखवाए। अब तक कई शहरों से सात आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पेपर लीक विवाद के बाद नीट परीक्षा रद्द कर 21 जून को दोबारा कराने का फैसला लिया गया है। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। जांच एजेंसी ने इस मामले के कथित श्किंगपिनश पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार किया है। कुलकर्णी पुणे में रिटायर्ड केमिस्ट्री टीचर है और उन पर आरोप है कि उन्होंने परीक्षा से पहले छात्रों को गुप्त तरीके से पेपर के सवाल और जवाब बताए। करीब 22 लाख छात्रों ने इस साल नीट–यूजी परीक्षा दी थी। लेकिन पेपर लीक के आरोप सामने आने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। अब यह परीक्षा दोबारा 21 जून को आयोजित होगी।

कुलकर्णी की करनी

सीबीआई ने बताया पेपर लीक का पूरा घटनाक्रम

- कुलकर्णी ने अप्रैल में घर पर क्लास चलाई
- छात्रों को परीक्षा में आने वाले प्रश्न डिक्टेट किए
- मनीषा वाघमारे ने छात्रों को जुटाने में मदद की
- मनीषा वाघमारे ने पेपर धनंजय लोखंडे को दिया
- लोखंडे से पेपर शुभम और फिर यश तक पहुंचा
- यश ने कई छात्रों तक प्रश्न पहुंचाए
- लाखों रुपये लेकर बेचे गए लीक प्रश्न

अप्रैल के आखिरी हफ्ते में बना खास ग्रुप

सीबीआई जांच में सामने आया कि अप्रैल के आखिरी हफ्ते में पीवी कुलकर्णी ने अपनी साथी आरोपी मनीषा वाघमारे के साथ मिलकर कुछ छात्रों का एक खास ग्रुप तैयार किया। मनीषा वाघमारे को 14 मई को गिरफ्तार किया गया था।

घर पर स्पेशल कोचिंग क्लास में लिखवाए नोट्स

आरोप है कि कुलकर्णी ने किसी डिजिटल कॉपी या प्रिंटेड पेपर का इस्तेमाल नहीं किया, बल्कि अपने पुणे स्थित घर पर श्स्पेशल कोचिंग क्लासश चलाकर छात्रों को सवाल और उनके सही जवाब डिक्टेट किए। इन गुप्त क्लासों में छात्रों को सवाल, विकल्प और सही उत्तर हाथ से अपनी कॉपी में लिखवाए गए। बाद में सीबीआई को जो हस्तलिखित नोट्स मिले, वे नीट–यूजी 2026 के असली केमिस्ट्री पेपर से पूरी तरह मेल खाते पाए गए।

एक प्रतिष्ठित कॉलेज में केमिस्ट्री के टीचर थे पीवी कुलकर्णी

जांच एजेंसी के अनुसार पीवी कुलकर्णी महाराष्ट्र के लातूर जिले के रहने वाले हैं और एक प्रतिष्ठित कॉलेज में केमिस्ट्री फैकल्टी रह चुके हैं। वह करीब चार साल पहले रिटायर हुए थे। सीबीआई का दावा है कि कुलकर्णी का नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा प्रक्रिया से भी संबंध था, जिसके कारण उन्हें गोपनीय प्रश्नपत्रों तक पहुंच मिली। हालांकि एजेंसी ने अभी उनके सटीक रोल की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की है।

सीबीआई ने कई राज्यों में की छापेमारी

इस मामले की जांच 12 मई को सीबीआई ने अपने हाथ में ली, जब केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। सबसे पहले यह मामला 7 मई को राजस्थान में सामने आया था। इसके बाद सीबीआई ने कई राज्यों में छापेमारी की और मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स और अहम दस्तावेज जब्त किए। इन सभी की फॉरेंसिक जांच चल रही है।

कई शहरों में छापेमारी के बाद कुल सात आरोपी गिरफ्तार

अब तक जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर समेत कई शहरों से सात आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच में यह भी पता चला है कि बिचौलियों का एक नेटवर्क छात्रों से लाखों रुपये लेकर उन्हें इस श्स्पेशल क्लासश के जरिए लीक सामग्री उपलब्ध करा रहा था।

जांच के दायरे में लातूर की रेनुकाई केमिस्ट्री क्लासेस

इस मामले में लातूर की रेनुकाई केमिस्ट्री क्लासेस (आरसीसी) भी जांच के दायरे में आ गई है। सीबीआई ने संस्थान के डायरेक्टर शिवराज मोटेगांवकर से पूछताछ की है। 28 सदस्यीय सीबीआई टीम ने उनके घर पहुंचकर कई लोगों से पूछताछ की। हालांकि एजेंसी ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि कोचिंग संस्थान का इस पूरे नेटवर्क से कितना संबंध था।

विद्या-राशि संग बड़े पर्दे पर धमाल मचाएंगे अक्षय

मुम्बई,एजेंसी। अक्षय कुमार की हालिया रिलीज हॉरर–कॉमेडी फिल्म भूत बंगला ने दर्शकों को खूब एंटरटेन किया. वहीं अब खिलाड़ी कुमार दिसंबर में भी बड़े पर्दे पर दर्शको को फुल एंटरटेनमेंट की डोज देने की तैयारी कर रहे हैं. दरअसल अक्षय कुमार और निर्देशक अनीस बजमी एक फैमिली एंटरटेनिंग फिलम के लिए साथ छाने की तैयारी में हैं. दिलचस्प बात ये है कि इस अनटाइटल कॉमेडी फिल्म की ऑफिशियल रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है.

अक्षय–अनीस की जोड़ी ला रही फैमिली एंटरटेनिंग फिल्म

बता दें कि बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार और अनीस बजमी की अपकमिंग फिल्म की केरल में शूटिंग का एक अहम शेड्यूल हाल ही में पूरा हुआ है और आने वाले दिनों में मेकर्स अक्षय कुमार की एक नई तस्वीर जारी करने वाले हैं. श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन लीड रोल में नजर आएंगे. साथ ही साथ ही विजय राज और सुदेश लहरी के साथ राशि खन्ना भी एक अहम भूमिका निभाती हुई नजर आएंगी. फिल्म के बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन अक्षय कुमार और अनीस बाजमी के कोलैबोरेशन ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है. अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एयरपोर्ट से एक फोटो भी शेयर की है, जिसमें वो विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं. कैप्शन में लिखा है, "केरल का शेड्यूल पूरा हुआ!

मौनी रॉय ने पति सूरज से तलाक किया कंफर्म!

मुम्बई,एजेंसी। मौनी रॉय की सूरज नांबियार संग चार साल की शादी टूट गई है. बीते दिन से मीडिया में दोनों के सैपरेशन की खबरें फैली हुई थीं. दरअसल फैंस ने नोटिस किया था कि इस जोड़ी ने एक दूसरे सो इंस्टा पर अनफॉलो कर दिया है. यहां तक कि सूरज ने मौनी संग शादी की सारी तस्वीरें भी सोशल मीडिया से डिलीट कर दी थी. बाद में सूरज ने अपने इंस्टा भी डिएक्टिवेट कर दिया. वहीं अब लग रहा है कि मौनी ने इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट कर फाइनली सूरज संग अपने तलाक को कंफर्म कर दिया है.

मौनी ने सूरज संग तलाक किया कंफर्म?

दरअसल सूरज संग तलाक की खबरों के एक दिन बाद मौनी ने इंस्टा स्टोरी पर एक पोस्ट की है. हालांकि उन्होंने डायरेक्टली अपना तलाक कंफर्म नही किया है लेकिन एक्ट्रेस ने लिखा है, "सभी मीडिया हाउस से रिक्वेस्ट है कि झूठे नैरेटिव पब्लिश ना करें और हमें प्राइवेसी और स्पेस दें,प्लीज?

मौनी ने बहन के लिए किया था पोस्ट

इससे पहले मौनी ने 13 मई को ही सुबह बहन संग तस्वीर पोस्ट करते हुए बर्थडे विश किया था. मौनी ने इसके साथ कैप्शन में लिखा था, ष्मेरी बहन, चाहे खुशियां हो या दुख जन्मदिन मुबारक हो, मेरी जान. तुम्हारी सरकाज्म से भरी बातें, तुम्हारी हाजिरजवाबी, तुम्हारी अंदरूनी खूबसूरती और वो सब कुछ जो तुम्हें तुम बनाता है, मुझे बहुत पसंद है! मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं! कोई भी शब्द यह बयां नहीं कर सकता कि मैं तुमसे कितना प्यार करती हूं और तुम ये बात जानती ही हो. वैसे तुम एक चुड़ैल हो.ष

मौनी और सूरज की मुलाकात कैसे हुई थी?

मौनी ने एक बार बताया था कि उनकी मुलाकात सूरज से एक क्लब में हुई थी. जल्द ही, उनकी दोस्ती गहरी हो गई और दोनों ने डेटिंग शुरू कर दी. लॉकडाउन के दौरान, मौनी दुबई में फंस गईं और लगभग सात साल तक सूरज के साथ रहीं, 27 जनवरी, 2022 को दोनों ने बंगाली और मलयालम रीति–रिवाजों के अनुसार शादी की थी. वे अक्सर एक–दूसरे के साथ प्यारी तस्वीरें पोस्ट करते थे. वहीं उनके सैपरेशन की खबरों ने उनके फैंस को शॉक्ड कर दिया है।

रुबीना दिलैक का छलका दर्द

मुम्बई,एजेंसी। टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस रुबीना दिलैक इन दिनो सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही है. वो जल्द ही शो श्खतरों के खिलाड़ी 15श में नजर आने वाली हैं. फैंस उन्हें शो में देखने के लिए बेताब हैं. अब हाल ही शो में आने से पहले उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी प्रेग्नेंसी जर्नी पर खुलकर बात की. एक्ट्रेस की डिलिवरी सी–सेक्शन से हुई थी. अब उन्होंने इसके पीछे का दर्द बयां किया।

रुबीना दिलैक के लिए मुश्किल था सी–सेक्शन

एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने मिस मालिनी के पॉडकास्ट में अपनी प्रेग्नेंसी पर कई बातें की. उन्होंने कहा कि सी सेक्शन को लोग बहुत नॉर्मल समझते हैं. लेकिन सी सेक्शन में 7 लेयर काटकर बच्चे को को निकाला जाता है. सिर्फ 10 मिनट में बेबी को बाहर आ जाता है, लेकिन 45 मिनट लगते हैं स्टिच करने में और सी सेक्शन से 1 से 1. 5 लीटर खून बहता है बॉडी से।

रुबीना ने आगे कहा, श्मैं खतरों के खिलाड़ी में जाने वाली हूं तो वहां सारे मेडिकल टेस्ट होते हैं तो डॉक्टर ने मुझसे पूछा कि हाल ही में आपकी कोई सर्जरी हुई है तो मैं थोड़ा झिझक रही थी. मैंने कहा कि क्या आप सी सेक्शन को सर्जरी में मानते हैं तो उन्होंने मुझे हैरानी से देखा और कहा बिल्कुल, तो मैंने कहा 2.5 साल बाद तो उन्होंने कहा अच्छा।

लोगों को दिया जवाब

रुबीना ने उन लोगों को जवाब दिया जो सी सेक्शन को नॉमल समझते हैं. एक्ट्रेस ने कहा, श्लोग अक्सर बोलते है कि सी सेक्शन कौनसी बड़ी बात है. लेकिन मैं जानती हूं कि मेरी बॉडी ने क्या झेला है. जब मैंने इस बदलाव के बारे में बात कि तो लोग बोले ये कौनसी बड़ी बात है. आप ऑपरेशन थिएटर में गए और 10 मिनट में वापस आ गए. कोई बड़ी बात नहीं है. बता दें, रुबीना दिलैक ने साल 2023 में एक साथ दो बेटियों को जन्म दिया था. मां बनने के बाद से ही वो अपने मदरहुड एक्सपीरियंस को फैंस के साथ शेयर करती रही हैं।

अल्लू अर्जुन की प्रापर्टी कहे जाने पर

भड़कीं सीरत कपूर

एंटरटेनमेंट डेस्क,। सीरत कपूर ने एक ऐसे महिला–विरोधी कमेंट पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्हें अल्लू अर्जुन से जोड़ा गया था। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक यूजर द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा की आलोचना की, जिसने उनकी एक हालिया पोस्ट पर उन्हें पुष्पा स्टार की प्रॉपर्टी बताया। यह कमेंट ऑनलाइन तेजी से वायरल हो गया, क्योंकि सीरत (ममतंज झंचववत) ने इसे नजरअंदाज करने के बजाय सीधे तौर पर एक जवाब दिया।

हाल ही में, अभिनेत्री ने एक ग्रेस कलर की लेस वाली ड्रेस में अपनी कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, वीकेंड में एंट्री, बिल्कुल अपनी ही इंस्पिरेशन की तरह। जहां ज्यादातर फैंस ने कमेंट सेक्शन में तारीफ तारीफ की वहीं एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, अल्लू अर्जुन की प्रॉपर्टी।

सीरत कपूर ने दिया मुंहतोड़ जवाब

उस कमेंट को नजरअंदाज ना करते हुए सीरत ने एक मजबूत और साफ मैसेज के साथ जवाब दिया। उन्होंने लिखा, एक हार्ट का इमोजी जोड़ने से यह बात जरा भी सम्मानजनक नहीं बन जाती, सर। एक महिला कभी भी किसी की संपत्ति नहीं होती। वह अपने आप में एक स्वतंत्र इंसान है, जिसकी अपनी पहचान, सपने और अपनी आवाज है। सम्मान के साथ तारीफ करें, मालिकाना हक जताते हुए नहीं। खुश रहें उनके जवाब को कई फॉलोअर्स का साथ मिला, और कई लोगों ने उनकी तारीफ की कि उन्होंने उस कमेंट को नजरअंदाज करने के बजाय सबके सामने उसका जवाब दिया। एक फैन ने लिखा, ट्रोल्स से निपटने का यही सही तरीका है। दूसरे ने लिखा, बहुत बढ़िया कहा।

सीरत कपूर और अल्लू अर्जुन के बारे में चर्चा इस साल की शुरुआत में ही जोर पकड़ चुकी थी, जब अप्रैल में एक्ट्रेस ने अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन पर उनके साथ कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की थीं। माना जाता है कि ये तस्वीरें एक इंटरनेशनल ट्रिप के दौरान अल्लू अर्जुन के प्राइवेट जेट में खींची गई थीं। इन तस्वीरों को देखकर कई फैन्स हैरान रह गए, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि इन दोनों एक्टर्स के बीच इतना गहरा रिश्ता है। तस्वीरों के साथ–साथ, सीरत ने एक्टर के लिए एक प्यारा सा बर्थडे नोट भी लिखा।

फीफा में शकीरा की वापसी

रिलीज हुआ 2026 विश्व कप का एंथम 'दाई दाई'

एंटरटेनमेंट डेस्क। 16 साल बाद शकीरा एक बार फिर अपने गाने से वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने को तैयार हैं। 2010 के फीफा वर्ल्ड कप का एंथम 'वाका वाका' से दुनिया हिलाने वाली शकीरा अब फीफा विश्व कप 2026 के एंथम 'दाई दाई' के साथ वापस लौटी हैं। बीते दिनों गाने का टीजर जारी होने के बाद से फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 का ऑफिशियल एंथम 'दाई दाई' रिलीज कर दिया गया है। इसे शकीरा ने नाइजीरियन अफ्रोबीट्स के दिग्गज बर्ना बॉय के साथ मिलकर बनाया है।

'वाका वाका' के बाद फीफा में शकीरा की वापसी

'दाई दाई' के जरिए शकीरा ने दूसरी बार फीफा का ऑफिशियल एंथम तैयार किया है। इससे पहले उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 2010 के फीफा विश्व कप के लिए आइकॉनिक गीत 'वाका वाका (दिस टाइम फॉर अफ्रीका)' बनाया था। इसने काफी पॉपुलर्टी पाई थी। जुलाई 2010 में 'वाका वाका' बिलबोर्ड हॉट लैटिन सॉन्ग्स, लैटिन एयरप्ले और लैटिन पॉप एयरप्ले चार्ट पर दूसरे नंबर पर पहुंचा। लैटिन रिदम एयरप्ले पर यह आठवें नंबर पर रहा और इसी दौरान बिलबोर्ड हॉट 100 पर 38वें नंबर तक पहुंचा। लैटिन डिजिटल सॉन्ग सेल्स चार्ट पर भी यह 42 हफ्तों तक पहले नंबर पर रहा, जो शाक का उस चार्ट पर सबसे लंबे समय तक रहने वाला गाना है।

11 जून से होगी फीफा 2026 की शुरुआत

2026 फीफा विश्व कप 11 जून को मैक्सिको सिटी के एस्टाडियो एज्टेका स्टेडियम में शुरू होगा। 19 जुलाई को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में इसका फाइनल होगा। जिसका नाम खेलों के लिए बदलकर न्यूयॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम कर दिया गया है। फाइनल में शकीरा, मैडोना और बीटीएस फीफा फाइनल के पहले हाफटाइम शो में जबरदस्त परफॉर्मेंस भी देंगे।

गाने में ये है खास

'दाई दाई' लगभग चार मिनट का गाना है, जिसमें अफ्रोबीट्स, डांस-पश्चप, वर्ल्ड बीट्स और रेगेटन की भरपूर झलक देखने को मिलती है। ये इस गाने को और भी शानदार बनाती है। गाने के बोल फुटबश्वल की भावना को पूरी तरह से दिखाते हैं और खिलाड़ियों व फैंस को उत्साहित करने वाला संदेश भी देते हैं। गाने में फुटबश्वल के दिग्गजों का नाम भी लेते हैं, जिनमें माराडोना, माल्डिनी, रोमारियो, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, बेकहम, काका और मेस्सी के नाम शामिल हैं। इसके अलावा गाने में इस साल फीफा में भाग लेने वाले देशों जैसे ब्राजील, अर्जेंटीना, कोलंबिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और नीदरलैंड्स के नाम भी सुनने को मिलते हैं।

फीफा विश्व कप को शुरू होने में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। सभी टीमों ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी है, लेकिन इस बार कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन सकेंगे। फीफा विश्वकप 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। इस बार फुटबॉल प्रेमियों को उनके कई चहेते खिलाड़ी और टीमें इस महाकुंभमें खेलती नजर नहीं आएंगे। इन खिलाड़ियों में पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोवस्की से लेकर ब्राजील के रोड्रियागो जैसे बड़े नाम हैं। कुछ खिलाड़ियों को चोट या फॉर्म की वजह से टीम में जगह नहीं दी गई है, तो कुछ की राष्ट्रीय टीम जैसे पोलैंड और चार बार की चौंपियन इटली क्वालिफाई ही नहीं कर पाई हैं।

हम दोस्तों का एक ग्रुप थे, टेस्ट में भारत के स्वर्णिम दौर को याद कर भावुक हुए कोहली

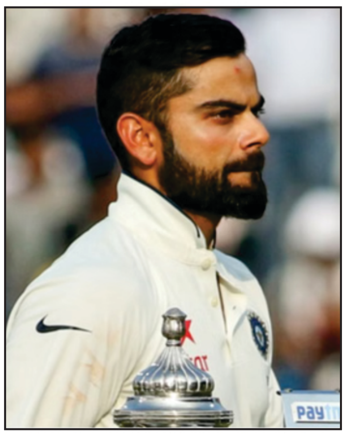

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने अपने टेस्ट कप्तानी दौर को भारतीय क्रिकेट का श्गोल्डन एराश बताया है। विराट ने कहा कि उस समय टीम में खिलाड़ी सिर्फ साथी नहीं बल्कि दोस्तों की तरह थे। उन्होंने बताया कि टीम के भीतर कोई सीनियर-जूनियर जैसा माहौल नहीं था और हर खिलाड़ी खुद को टीम बनाने की जिम्मेदारी का हिस्सा मानता था। विराट की कप्तानी में भारत ने विदेशी जमीन पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की और दुनिया की सबसे मजबूत टेस्ट टीमों में जगह बनाई। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए विराट कोहली ने भारतीय टेस्ट टीम के अपने दौर को याद किया। उन्होंने कहा कि उस टीम की सबसे बड़ी ताकत खिलाड़ियों के बीच की दोस्ती और आपसी भरोसा था। विराट ने कहा, श्सबसे अहम चीज हमारी औसत उम्र थी। सीनियर और जूनियर के बीच कोई झिझक नहीं थी। हम दोस्तों के एक ग्रुप की तरह थे।श उन्होंने बताया कि चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, रविचंद्रन अश्विन, ईशांत शर्मा, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी लगभग एक ही उम्र के थे और साथ में आगे बढ़े। विराट ने कहा कि उस दौर में सिर्फ कप्तान या कोचिंग स्टाफ ही नहीं, बल्कि हर खिलाड़ी टीम को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी महसूस करता था। उन्होंने कहा, श्ऐसा नहीं था कि कुछ लोग ही सब कुछ संभालते थे। हर खिलाड़ी को लगता था कि अगले छह से आठ साल के लिए टीम बनाने में उसकी भूमिका है।श विराट के मुताबिक यही सोच टीम को लगातार बेहतर बनने और ऊंचे मानक बनाए रखने के लिए प्रेरित करती थी।

विदेशी जमीन पर मिली ऐतिहासिक सफलताएं

धोनी के टेस्ट क्रिकेट से कप्तानी छोड़ने के बाद विराट ने 2014 ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम की कमान संभाली थी। इसके बाद उन्होंने भारतीय टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी कप्तानी में भारत ने 68 टेस्ट मैचों में 40 जीत दर्ज कीं, जो किसी भी भारतीय कप्तान द्वारा सबसे ज्यादा हैं। विराट के नेतृत्व में भारत ने 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज जीती। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे सेना देशों में भारत ने सात टेस्ट जीत दर्ज कीं, जो किसी एशियाई कप्तान के लिए रिकॉर्ड है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

पंत पर क्यों लगा जुर्माना

बीसीसीआई ने पंत को किस बात की दी सजा?

इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लखनऊ ने सीएसके को हराया था।

स्पोर्ट्स डेस्क। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को हराया। लेकिन जीत के बाद टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना लगा जिसके चलते टीम का जश्न फीका पड़ गया। लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। लखनऊ का शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से सामना था और मैच में धीमी ओवर गति को लेकर पंत पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जुर्माना लगाया है।

इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लखनऊ ने सीएसके को हराया था।

मौजूदा सीजन में टीम का पहला अपराध

पंत पर आईपीएल की आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के तहत जुर्माना लगाया गया है जो धीमी ओवर गति से जुड़ा है। चूंकि मौजूदा सीजन में लखनऊ का यह पहला अपराध था इसलिए पंत पर आईपीएल की शीर्ष परिषद ने 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आईपीएल ने बयान में कहा, लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर सीएसके के खिलाफ आईपीएल 2026 के मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर-रेट से संबंधित है, यह उनकी टीम का इस सीजन का पहला उल्लंघन था, इसलिए ऋषभ पंत पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

सीएसके पर भारी पड़ी लखनऊ की टीम

मैच की बात करें तो आकाश सिंह की अगुआई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस की शतकीय साझेदारी के दम पर लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सीएसके को सात विकेट से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 187 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने 20 गेंदों के शेष रहते तीन विकेट पर 188 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लखनऊ ने बिगाड़ा चेन्नई का खेल

इस हार के साथ चेन्नई की प्लेऑफ की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। टीम छठे पायदान पर पहुंच गई। उसके खाते में 12 अंक हैं और नेट रन रेट 0.027 हो गया है। वहीं, प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी लखनऊ की टीम तालिका में 10वें स्थान पर पहुंच गई है। टॉप-4 में आरसीबी, गुजरात, हैदराबाद और पंजाब की टीमें हैं।